वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 54 | बुधवार 18 जून 2025 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

## राज्यपाल ने बिड़ला मंदिर में पूजा अर्चना कर आरती में भाग लिया

**जयपुर. कंचन केसरी।** राज्यपाल हरिभाऊ बागडे मंगलवार को बिड़ला मंदिर पहुंचे। उन्होंने वहां लक्ष्मी नारायण की विधिवत पूजा और आरती में भाग लिया। राज्यपाल ने लक्ष्मी नारायण से राज्य की सुख, समृद्धि और सबके मंगल की कामना की।

### जयपुर पूर्व राजपरिवार के सदस्य विरासत प्रशिक्षण शिविर में पहुंचे

## सिटी पैलेस में सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर का 20 जून को होगा समापन

**जयपुर. कासं**

सिटी पैलेस में चल रहे एक माह के सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत प्रतिभा निखार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने शिविर के गत दिनों के दौरान सीखी विभिन्न कलाओं का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में लक्ष्यराज प्रकाश ऑफ सिरमौर और गौरवी कुमारी उपस्थित रहीं। उन्होंने प्रशिक्षण शिविर का अवलोकन करते हुए प्रतिभागियों से संवाद भी किया। शिविर का आयोजन महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय संग्रहालय ट्रस्ट द्वारा पारम्परिक कलाओं की प्रतिनिधि संस्था 'रंगरीत' और 'सरस्वती कला केन्द्र' के सहयोग से किया गया है। शिविर का समापन समारोह 20 जून को आयोजित किया जाएगा। इस दौरान गौरवी कुमारी ने प्रतिभागियों के साथ मिलकर लुप्तप्राय 'ठीकरी' कला की बारीकियों और तकनीकों को न सिर्फ समझा, बल्कि स्वयं कांच के टुकड़ों से एक सुंदर फूल की आकृति भी तैयार की। वहीं, लक्ष्यराज प्रकाश ने पारंपरिक फ्रेस्को (अराईश) कला की गहराई से जानकारी ली और खुद भी पेंटिंग पर कार्य कर कला की बारीकियों का अनुभव किया। इस अवसर पर उन्होंने

प्रतिभागियों की विशेष रूप से प्रशंसा करते हुए कहा कि इस शिविर में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने पारंपरिक और लुप्तप्राय भारतीय कलाओं को सीखने में गहरी रुचि दिखाई है, जो अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने शिविर में प्रशिक्षकों के महत्वपूर्ण योगदान की भी सराहना की, जिनके मार्गदर्शन और मेहनत से प्रतिभागी इन कलाओं की बारीकियों को समझने और सीखने में सक्षम हो पाए हैं। शिविर के संयोजक और सिटी पैलेस के कला एवं संस्कृति, ओएसडी, चित्रकार रामू रामदेव ने कहा कि इस मंच के माध्यम से नवांकुर कलाकारों को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने और पारंपरिक कलाओं के संरक्षण व संवर्धन का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न पारंपरिक कला रूपों में प्रसिद्ध कला विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। गौरतलब है कि शिविर के दौरान रामू रामदेव बाबूलाल मारोठिया, श्यामू रामदेव, लक्ष्मी नारायण कुमावत और यामिनी रामदेव द्वारा ढूंढाड़ शैली में 'पारंपरिक चित्रकला' की बारीकियां सिखाई गई हैं। डॉ. नाथूलाल वर्मा ने 'आला गिला और आराईश' (फ्रेस्को) का प्रशिक्षण दिया है। वहीं, जयपुर घराने का 'ध्रुवपद' डॉ. मधुभट्ट तैलंग द्वारा और जयपुर घराने का 'कथक एवं लोकनृत्य' डॉ. ज्योति भारती गोस्वामी द्वारा सिखाया गया है। 'बांसुरी' का प्रशिक्षण आर.डी. गौड़ द्वारा प्रदान किया गया है। इसी प्रकार, हिंदी और अंग्रेजी में 'कैलीग्राफी' और 'पोट्रेट' का ललित शर्मा के निर्देशन में प्रशिक्षण दिया गया है। डॉ ब्रजमोहन खत्री द्वारा 'वैदिक ज्योतिष' का ज्ञान और शंकर लाल कुमावत व बद्री नारायण कुमावत ने 'ठीकरी' (मिरर वर्क) कला की बारीकियों से अवगत कराया है।

# दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर की रंगारंग पूल पार्टी में मस्ती की धूम

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** द गोल्ड पैलेस एंड रिजॉर्ट्स में संगिनी फॉरएवर ग्रुप द्वारा आयोजित पूल पार्टी में मस्ती, संगीत और गेम्स की बहार रही। ग्रुप अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिंदायका के अनुसार उत्सव की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसे मीनाक्षी जैन ने सम्पन्न किया। कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणः जोश से भरे गेम्स व हाऊजी में सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। संयोजन बबीता, अलका द्वारा किया गया। पुरस्कार वितरण श्रीमती बीना शाह के द्वारा किया गया। मंच संचालन ग्रुप सचिव सुनीता गंगवाल ने सुंदर शायराना अंदाज में किया। संगिनी फॉरएवर की पूल पार्टी टीशर्ट वितरण का कार्य स्नेहलता, मधु और मीनाक्षी द्वारा किया गया।चवर गिफ्ट की व्यवस्था सरोज व चित्रा जी ने देखी। गंतव्य स्थल तक बस व्यवस्था शीला और अनीता की देखरेख में आदीश मेडिकल स्टोर से संभाली गई। नई सेशन की फीस व रजिस्ट्रेशन का कार्य बीना, चित्रा पुष्पा और अलका ने बखूबी संभाला। खास बात यह रही कि सभी सदस्यों की धमाकेदार एंट्री स्कार्फ पहना कर रील वीडियो द्वारा की गई, जिसमें सबने खूब उत्साह के साथ भाग लिया। मई जून जुलाई में जिन भी संगिनी सदस्यों की बर्थडे एनिवर्सरी आती है उनका केक कटवा कर सबको बधाइयां दी गई। प्लेन क्रैश में जो लोग मारे गए उनको 2 मिनट का मोन रखकर उनको श्रद्धांजलि दी गई और संवेदना प्रकट की गई।कोषाध्यक्ष उर्मिला जैन ने आयोजन मे नए आने वाले सदस्यों का स्वागत किया एवं आभार प्रकट किया। संगिनी ग्रुप की यह पूल पार्टी मस्ती, उत्साह और एकता की मिसाल बनकर सभी के दिलों में एक खूबसूरत याद के रूप में बस गई। अंत में अध्यक्ष शकुंतला ने कार्यक्रम की पूर्ण सफलता के लिए सभी के सहयोग एवं साथ के लिए आभार प्रकट किया।

# आर्यिका विशुद्ध मति माताजी का सुनारा में मंगल प्रवेश

**बनस्थली में आज होगा मंगल आगमन**

**बनस्थली, निवाई. शाबाश इंडिया।** जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा विश्व विख्यात भारत गौरव गणिनी आर्यिका विशुद्ध मति माताजी ससंघ का बुधवार को बनस्थली में मंगल प्रवेश होगा। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला एवं हितेश छाबड़ा ने बताया कि आचार्य निर्मल सागर महाराज की शिष्या गणिनि आर्यिका विशुद्ध मति एवं विज्ञ मति माताजी ससंघ फागी, माधोराजपुरा, डाबीच, राहोली होते हुए मंगलवार को सुनारा पहुंचे जहां समाजसेवी विनोद कुमार, महेन्द्र कुमार, जयकुमार जैन पांडया, राजकुमार पहाड़ियां, प्रेमचंद सोगानी, महावीर प्रसाद छाबड़ा, विमल पाटनी, प्रकाश राहोली, नीरु पांडया शकुंतला छाबड़ा, संजू पाटनी जौंला, शशी सोगानी, रानी कठमाणा, त्रिलोक हरभगतपुरा, अनिल जैन, बंटी कठमाणा, त्रिलोक रजवास, सहित अनेक लोगो ने चरण प्रक्षालन एवं आरती करके अगुवानी की। जौंला ने बताया कि गणिनि आर्यिका विशुद्ध मति एवं विज्ञमति माताजी 7 पिच्छिका धारी संघ सहित बुधवार को बनस्थली में मंगल प्रवेश करेंगे। जहां बनस्थली जैन मंदिर में आर्यिका माताजी श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आशीर्वाद प्रदान करेंगे। इस दौरान वहीं पर समस्त आर्यिकाओं की आहार चर्या होगी। जैन समाज के प्रवक्ता हितेश छाबड़ा एवं सुनील भाणजा ने बताया कि आर्यिका विशुद्ध मति माताजी का 19 जून को निवाई में मंगल प्रवेश होगा।

# जनकपुरी में वासुपूज्य का गर्भ व विमल नाथ का मोक्ष कल्याणक मनाया

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में मंगलवार दिनांक 17/06/25 को भगवान के श्री चरणों में अपने समस्त दुखों की निर्वृत्ति हेतु अर्थात निर्वाण की भावना के साथ तीर्थंकर भगवान विमलनाथ के मोक्ष कल्याणक के साथ भगवान वासुपूज्य का गर्भ कल्याणक भक्ति भाव के साथ मनाया गया। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि भगवान विमलनाथ जैन धर्म के वर्तमान अवसर्पिणी काल के तेरहवें तीर्थंकर है। इनका वंश इक्ष्वाकु तथा पिता कृतवर्मन माता श्यामा थे । विमलनाथ का चिन्ह सुअर जन्म स्थान काम्पिल मोक्ष स्थान सम्मेद शिखर है । सुबह अभिषेक शान्ति धारा के बाद बारहवें तीर्थंकर वासुपूज्य व तेरहवें तीर्थंकर विमल नाथ की पूजन करके उपस्थित श्रेष्ठी गणों निर्वाण काण्ड का वाचन कर निर्वाण अर्घ बोलते हुए जयकारों के मध्य विमल नाथ के मोक्ष कल्याणक पर निर्वाण लाडू मय श्रीफल चढ़ाया तथा मोक्ष कल्याण को सामान्य विषेषात्मक दिवस के रूप में व्याख्या करते हुए मनाया ।

## आचार्य सुंदर सागर जी महाराज ने मंगल आशीर्वाद पारस जैन "पार्श्वमणि" पत्रकार को दिया

**कोटा (राजस्थान). शाबाश इंडिया।** राणा प्रताप मीरा हाड़ी रानी के तप त्याग और साधना की पावन वसुंधरा शिक्षण के लिए संपूर्ण भारतवर्ष में सुविख्यात धर्म प्राण औद्योगिक नगरी कोटा के तलवंडी स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में परम पूज्य तपो मूर्ति राष्ट्र संत आचार्य 108 सुंदर सागर जी महाराज (14 पिच्छिका) ससंघ ने विगत 35 सालों से पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले जैन युवा पत्रकार गौरव, सर्वश्रेष्ठ संवाददाता अवार्ड विजेता, वर्तमान समय में राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा वर्तमान के श्रवण कुमार की उपाधि से अलंकृत, अपनी सुरीली आवाज में भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति देने वाले, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन ₹पार्श्वमणि₹ पत्रकार को प्रसन्न चित्र मुद्रा धर्म प्रभावना के लिए मंगल आशीर्वाद प्रदान किया इस अवसर पर बूंदी का गोठड़ा दिगंबर जैन समाज के पदाधिकारी एवं युवा मंडल के सदस्य भी

उपस्थित थे। विदित कि पारस जैन ''पार्श्वमणि'' ने संपूर्ण भारतवर्ष की शिक्षण संस्थानों में मेरी भावना को पढ़ाया जाए शिक्षण संस्थानों में लागू किया जाए का मिशन चलाया हुआ है मध्य प्रदेश सरकार ने कक्षा 7 हिंदी के विषय में प्रथम नंबर पर मेरी भावना को रखा कर पढ़ाना शुरू कर दिया है। अपने पूर्व मध्य प्रदेश सरकार द्वारा कुपोषण के मासूम शिकार बच्चों को जो उनको अंडा देने जा रही थी उसका भी अपनी प्रबल लेखनी से घोर विरोध किया था अंत में वह प्रस्ताव पास नहीं हो पाया। पार्श्वमणी जी पत्रकार के पास विगत 35 वर्षों की अलग-अलग धार्मिक अनुष्ठानों पंचकल्याण को आयोजनों की विशेष कवरेज फाइल भी उपलब्ध है। आप जब अपनी सुरीली आवाज में भावपूर्ण प्रस्तुति भजनों की देते हैं तो श्रद्धालु भाव विभोर हो झूम लग जाते हैं। पार्श्वमणि का व्यक्तित्व चुंबकीय है एक बार जो इनके संपर्क में आ जाता है इनका ही होकर रह जाता है। आपका जन्म पिता देव शास्त्र गुरु के भक्त स्वर्गीय श्री विमल चंद जी जैन एवम धर्मनिष्ठ स्वर्गीय श्रीमती शांति देवी के घर आंगन में हुआ । आपकी दो सुयोग्य सुपुत्रिया कुमारी खुशबू जैन कुमारी गतिमा जैन अध्ययनरत है । आपकी एक बहन विवाहित ममता जैन श्री राजेंद्र जैन (अटरू वाले) कोटा में रहते है। **प्रस्तुतिः विमल कमलेश जैन (दरा वाले ) कोटा**

## वेद ज्ञान

# अज्ञान के समान दूसरा कोई शत्रु नहीं

अज्ञान आपका घातक शत्रु है, जबकि ज्ञान हितैषी मित्र। ज्ञान जीवन के लिए आशा, उमंग, प्रेरणा, उत्साह व आनंद के इतने गवाक्ष खोल देता है कि जीवन का क्षण-क्षण ईश्वर का अनमोल उपहार प्रतीत होता है। एक सृजनशील क्षण आपको प्रतिष्ठा के उत्तुंग शिखर पर प्रतिस्थापित कर सकता है, जबकि कुविचार की अवस्था में क्षण भर का निर्णय आपको निकृष्टता की गर्त में धकेलकर जन्म-जन्मांतरों के लिए आपको लांछित व कलंकित करने के लिए पर्याप्त है। अज्ञान हमें निराशा और पतन की ओर ले जाता है, जबकि ज्ञान आत्मिक उन्नति का पर्याय बन जीवन समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नयन की आधारशिला भी बनाता है। जीवन में यत्र-तत्र-सर्वत्र आनंद व सृजन का सौरभ प्रवाहित करता रहता है। चाणक्य ने कहा है कि अज्ञान के समान दूसरा कोई शत्रु नहीं है। अज्ञान के अंधकार में ज्ञान रूपी प्रकाश के अभाव में भविष्य रूपी भाग्य की राहें अदृष्ट हो जाती हैं और मनुष्य असहाय होकर अपने कर्म व चिंतन की दहलीज पर ही ठोकरें खाने को विवश होता है। मंजिल व लक्ष्य पास होने पर भी वह उसे न पाने के लिए अभिशप्त होता है। फिर वह अपनी ही सोच व कर्म के चक्रव्यूह में फंसकर भय से प्रकंपित होता रहता है। कनफ्यूशियस का मानना है कि अज्ञान मन की निशा है, किंतु वह निशा, जिसमें न तो चंद्र है और न ही नक्षत्र। ज्ञान मनुष्य को तृप्ति, संतोष, आनंद, शांति व निर्भयता का दान देता है, जबकि अज्ञान अतृप्ति, असंतोष, अशांति व भय का उपहार देता है। प्रसिद्ध विचारक ए. होम का मत है कि अज्ञान भय की जननी है। वास्तव में सभी अपराध, विध्वंस, कुकृत्य और अनैतिक कार्य अज्ञान से प्रेरित होकर ही किए जाते हैं। चोर अज्ञानता में ही चोरी का अनैतिक कार्य करता है। वह उसे जीवन का चरम और परम व्यवसाय लगता है, किंतु ज्ञान व बोध हो जाने पर उसके आगोश में बिताए गए क्षणों के प्रति पश्चाताप का भाव उत्पन्न होता है। शेक्सपियर ने अज्ञान को अंधकार कहा है, जिसमें मनुष्य घुटने के लिए विवश होता है।

## संपादकीय

# परमाणु युद्ध की आहट!

यह बहुत दुखद और विचारणीय है कि पश्चिम एशिया में परमाणु युद्ध की आशंका मंडराने लगी है। ईरान और इजरायल के बीच तेज होते संघर्ष के चौथे दिन तनाव तब चरम पर पहुंच गया, जब एक ईरानी जनरल ने परमाणु युद्ध की चर्चा छेड़ दी। जनरल मोहसिन रेजेई ने एक टीवी साक्षात्कार के दौरान कहा कि इजरायल अगर ईरान पर परमाणु बम गिराता है, तो पाकिस्तान उस पर परमाणु हमला करेगा। जनरल ने यह भी इशारा किया कि

परमाणु हमले की स्थिति में ईरान को यह आश्वासन स्वयं पाकिस्तान ने दिया है। हालांकि, पाकिस्तान ने अपना पल्ला झाड़ने में वक्त नहीं लगाया। पाकिस्तान ने स्पष्ट किया कि उसने ऐसा कोई आश्वासन नहीं दिया है। अब सवाल है कि ईरान का कोई जनरल परमाणु युद्ध की चर्चा क्यों कर रहा है? ईरान को भूलना नहीं चाहिए कि इराक के साथ क्या हुआ था। सद्दाम हुसैन में भी लड़ने का जुनून था, मगर जंग में जीत सिर्फ जुनून से नहीं मिलती, पूरी ताकत व हुनर की जरूरत पड़ती है। सद्दाम हुसैन के पास हुनर नहीं था, तो वह इतिहास हो गए और उनका देश तरक्की की पटरी से उतरकर कट्टरता व तबाही की ओर बढ़ गया। ईरान को भी सिर्फ जुनून का शिकार होने से बचना होगा। अपने व्यापक हित में समझदारी दिखानी पड़ेगी। हम देख रहे हैं कि पाकिस्तान ने भले ही ईरानी दावे का खंडन कर दिया है, पर उसके पास मौजूद परमाणु बम के बारे में दुनिया का एक अपेक्षाकृत ताकतवर मुल्क ईरान क्या सोच रहा है, इसका पता दुनिया को चल गया है। महज मजहब की बुनियाद पर गोलबंद होने की सोच आफत बनकर टूट सकती है भूलना नहीं चाहिए, मजहब के नाम पर बना पाकिस्तान आए दिन भारत को परमाणु शक्ति की याद दिलाकर चेतावनी देता है। ईरान भी शायद सिर्फ मजहब के आधार पर पाकिस्तान के परमाणु बम को अपनी ताकत मानने की भूल कर रहा है। ईरान को भूलना नहीं चाहिए कि पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान में अमेरिका की दखलंदाजी किस स्तर की है। पाकिस्तान अच्छे से जानता है कि अगर वह इजरायल के खिलाफ मैदाने जंग में उतरेगा, तो उसे भी वैसी ही मिसाइलों से मुकाबला करना होगा, जैसी मिसाइलों की मार से ईरान चार दिन में ही परेशान हो गया है। चार दिन की लड़ाई में ही परमाणु हमले की चर्चा शुरू हो गई है। इसका एक संकेत यह भी है कि ईरान इस संघर्ष में कमजोर पड़ने लगा है। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह माना है कि शुक्रवार को इजरायली हमलों के शुरू होने के बाद से 224 लोग मारे गए हैं और 1,277 अन्य अस्पताल में भर्ती हैं। यह भी बताया गया है कि 90 प्रतिशत से अधिक हताहत आम ईरानी नागरिक हैं। ऐसे में, सवाल उठता है कि कहां हैं इजरायल को आए दिन धमकाने वाले नेता ? इजरायल को भी अनावश्यक हिंसा से रोकने की जरूरत है और इसमें सबसे बड़ी भूमिका अमेरिका की होनी चाहिए। ऐसे पर्याप्त साक्ष्य हैं, जिनसे लगता है कि ईरान ने अमेरिका से सहमति लेकर ही अपने निशाने चुने हैं। शायद अमेरिका से मंजूरी लेकर ही इजरायल ने ईरान की वायु क्षमता को लगभग खत्म कर दिया है। -**राकेश जैन गादिका**

## परिदृश्य

# लापरवाही की परत दर परत

अहमदाबाद में पिछले सप्ताह एअर इंडिया का एक विमान उड़ाने भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसके बाद बीते रविवार को केदारनाथ के पास श्रद्धालुओं को लेकर आ रहा हेलिकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें एक बच्ची समेत सात लोगों की मौत हो गई। उसी दिन 242 हज यात्रियों को लेकर जेद्दा से लखनऊ पहुंचे सऊदी एअरलाइंस के एक विमान के उतरते समय उसके पहियों से धुआं निकलने की घटना हुई। सोमवार को दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाले एअर इंडिया के एक विमान को तकनीकी खराबी के कारण वापस हांगकांग जाना पड़ा। इन सभी घटनाओं ने हवाई यात्रा की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या उड़ान परिचालन के नियमों और दिशा-निर्देशों में कहीं कोई खामी है या फिर इनका पालन करने में कोताही बरती जा रही है? इस तरह के हादसों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार से लेकर विमानन कंपनियों की ओर से धरातल पर पुख्ता बंदोबस्त क्यों नहीं किए गए हैं? उत्तराखंड में केदारनाथ के पास गौरीकुंड में हुए हेलिकाप्टर हादसे ने इन सवालों को और गंभीर बना दिया है। इस हेलिकाप्टर का संचालन कर रही कंपनी पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया गया है। पुलिस में दर्ज मामले में कहा गया है कि हेलिकाप्टर के संचालन के लिए सुबह छह से सात बजे तक का प्रथम स्लाट आबंटित किया गया था, जबकि यह दुर्घटना उससे पहले ही सुबह साढ़े पांच बजे हुई है। अगर यह दावा सही है, तो साफ है कि हेलिकाप्टर ने तय समय से पहले ही उड़ान भर ली थी। उस दिन सुबह से ही धुंध छाई हुई थी और उड़ान भरने से पहले मौसम की स्थिति को ठीक से नहीं जांचा गया। कोई दोराय नहीं है कि चारधाम यात्रा के लिए हेलिकाप्टर सेवाएं

श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक हैं। खासकर बच्चों व बुजुर्गों को, जिनके लिए यह यात्रा मुश्किल भरी होती है। मगर, हवाई यात्रा को सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी राज्य व केंद्र सरकार पर भी है। राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे के बाद कहा कि चारधाम में सेवा दे रहे पायलटों के हिमालयी क्षेत्रों में उड़ान अनुभवों की जांच होगी। मगर, सवाल यह है कि कोई बड़ा हादसा होने से पहले ही एहतियाती तौर पर इस तरह के इंतजाम क्यों नहीं किए जाते। इस साल चारधाम मार्ग पर हादसे या हेलिकाप्टर को आपात स्थिति में उतारने की यह पांचवीं घटना है। इससे पहले आठ मई को उत्तरकाशी के गंगनानी में निजी कंपनी का हेलिकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई थी। ऐसी ही एक भयावह घटना रविवार को महाराष्ट्र के पुणे में हुई, जहां इंद्रायणी नदी पर बना लोहे का एक पुल ढह गया। इस पुल को जिला प्रशासन ने खतरनाक घोषित किया था और चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए थे। पर क्या सिर्फ चेतावनी बोर्ड लगाने से सरकार व प्रशासन की जिम्मेदारी पूरी हो जाती है? अगर वह जीर्णावस्था में था, तो पर्यटकों के वहां जाने पर पूर्ण रोक क्यों नहीं लगाई गई। किसी भी स्तर पर बरती जाने वाली लापरवाही के लिए जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई बड़ी अनहोनी न हो।

# इमोशनल हेल्थ, मानसिक स्वास्थ्य का एक प्रमुख पहलू है: डॉ अनामिका पापड़ीवाल

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट, साइकोथैरेपिस्ट, रिलेशनशिप थैरेपिस्ट, लाइफ कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर डॉ अनामिका पापड़ीवाल द्वारा अमेरिकन विद्यार्थियों के लिए मेंटल हेल्थ इश्यूज एंड अवेयरनेस विषय पर एक महत्वपूर्ण लेक्चर प्रस्तुत किया गया। यह वर्कशॉप अमेरिकन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडियन स्टडीज के द्वारा आयोजित की गई। इस अवसर पर साइकोलॉजिकल काउंसलिंग सेंटर की डायरेक्टर डॉ पापड़ीवाल ने मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं, उनके कारण, प्रभाव, समाधान, साइकोथेरेपी और मेंटल इश्यूज से जुड़े मिथ्स एवं रिएलिटी पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मानसिक समस्याओं को समय रहते समझना और उन्हें प्रोफेशनल हेल्प से एड्रेस करना नितांत आवश्यक है। वर्कशॉप के दौरान विद्यार्थियों को इमोशनल एवं मेंटल हेल्थ के लिए सेल्फ केयर से जुड़ी मूड शराड्स एक्टिविटी एवं वार्म-अप एक्टिविटी भी करवाई गईं, जिससे प्रतिभागियों को इन पहलुओं को व्यवहारिक रूप में समझने का अवसर मिला। डॉ अनामिका पापड़ीवाल ने बताया कि इमोशनल हेल्थ, मेंटल हेल्थ का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो यह दशार्ता है कि हम अपनी इमोशन्स को किस हद तक मैनेज कर पाते हैं और जीवन की चुनौतियों का सामना कितनी कुशलता से कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इमोशनल हेल्थ का सीधा संबंध हमारे ओवरऑल वेलबीइंग से है। हमारी अपनी और दूसरों की भावनाओं को पहचानना और समझना आज के युग में एक जरूरी स्किल बन गई है। डॉ पापडीवाल ने कहा कि पॉज़िटिव इमोशनल हेल्थ से व्यक्ति में लचीलापन, एफेक्टिव वर्किंग और हेल्दी रिलेशनशिप्स को बढ़ावा मिलता है। इसी कारणवश आज की जीवनशैली में साइकोथेरेपी अत्यंत आवश्यक हो गई है। यह व्यक्ति के भीतर की नेगेटिविटी

को पॉज़िटिविटी में बदलने का कार्य करती है, जिससे सोचने की दिशा बदलती है और व्यक्ति स्वयं अपने जीवन की समस्याओं का समाधान निकालने में सक्षम हो जाता है। डॉ अनामिका पापड़ीवाल जयपुर में अध्ययन करने आए अमेरिकन विद्यार्थियों के लिए यह मेंटल हेल्थ अवेयरनेस वर्कशॉप पिछले 7 वर्षों से निरंतर ले रही हैं। साथ ही वे पिछले 23 वर्षों से विभिन्न वर्कशॉप्स, सेमिनार्स, न्यूजपेपर आर्टिकल्स और मल्टीमीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता फैला रही हैं। उनके इस समर्पण और सेवा कार्य के लिए उन्हें कई प्रतिष्ठित अवार्ड्स से सम्मानित भी किया जा चुका है।

# श्री शांति वीर शिव धर्माजीत वर्द्धमान सुरिभ्यो नमः

**प्रथमाचार्य चारित्र चक्र वति आचार्य श्री शांति सागर जी जी के 153 वे वर्ष वर्धन अवतरण दिवस आषाढ़ वदी 6 जन्म दिन के अवसर पर श्री शान्तिसागर जी महा मुनिराज का परिचय**

दिगम्बर साधु सन्त परम्परा में वर्तमान युग में अनेक तपस्वी, ज्ञानी ध्यानी सन्त हुए। उनमें आचार्य शान्तिसागरजी महाराज एक ऐसे प्रमुख साधु श्रेष्ठ तपस्वी रत्न हुए हैं, जिनकी अगाध विद्वता, कठोर तपश्चर्या, प्रगाढ़ धर्म श्रद्धा, आदर्श चरित्र और अनुपम त्याग ने धर्म की यथार्थ ज्योति प्रज्वलित की। आपने लुप्तप्राय, शिथिलाचारग्रस्त मुनि परम्परा का पुनरुद्धार कर उसे जीवन्त किया, यह निग्रन्थ श्रमण परम्परा आपकी ही कृपा से अनवरत रूप से प्रथम पट्टाचार्य श्री वीरसागर जी द्वितीय पट्टाचार्य श्री शिवसागर जी तृतीय पट्टाचार्य श्री धर्मसागर जी चतुर्थ पट्टाचार्य श्री अजित सागर जी तथा पंचम पट्टाचार्य वात्सल्य वारिधी आचार्य श्री वर्धमान सागर के रूप में आज तक प्रवाहमान है।

## जन्म

दक्षिण भारत के प्रसिद्ध नगर बेलगाँव जिला चिकोड़ी तालुका (तहसील) में भोजग्राम है। भोजग्राम के समीप लगभग चार मील की दूरी पर विद्यमान येलगुल गाँव में नाना के घर आषाढ़ कृष्णा 6, विक्रम संवत 1929 सन् 1872 बुधवार की रात्रि में शुभ लक्षणों से युक्त बालक सातगौड़ा का जन्म हुआ था। गौड़ा शब्द भूमिपति-पाटिल का द्योतक है। पिता भीमगौड़ा और माता सत्यवती के आप तीसरे पुत्र थे इसी से मानो प्रकृति ने आपको रत्नत्रय और तृतीय रत्न सम्यकू चारित्र का अनुपम आराधक बनाया ।

## बचपन

सातगौड़ा बचपन से ही वैरागी थे लौकिक आमोद-प्रमोद से सदा दूर रहते थे, बाल्यकाल से ही वे शान्ति के सागर थे। छोटी सी उम्र में ही आपके दीक्षा लेने के परिणाम थे परन्तु माता-पिता ने आग्रह किया कि बेटा! जब तक हमारा जीवन है तब तक तुम दीक्षा न लेकर घर में धर्मसाधना करो। इसलिए आप घर में रहे।

## व्यवसाय

मुनियों के प्रति उनकी अटूट भक्ति थी। वे अपने कन्धे पर बैठाकर मुनिराज को दूधगंगा तथा वेदगंगा नदियों के संगम के पार ले जाते थे। वे कपड़े की दुकान पर बैठते थे, तो ग्राहक आने पर उसी से कहते थे कि-कपड़ा लेना है तो मन से चुन लो, अपने हाथ से नाप कर फाड़ लो और बही में लिख दी। इस प्रकार उनकी निस्पृहता थी। आप कभी भी अपने खेतों में से पक्षियों को नहीं भगाते थे। बल्कि खेतों के पास पीने का पानी रखकर स्वयं पीठ करके बैठ जाते थे। फिर भी आपके खेतों में सबसे अधिक धान्य होता था। वे कुटुम्ब के झंझटों में नहीं पड़ते थे। उन्होंने माता-पिता की खूब सेवा की और उनका समाधिमरण कराया।

## संयम पथ

माता-पिता के स्वर्गस्थ होते ही आप गृह विरत हो गये एवं मुनिश्री देवप्पा स्वामी से 41 वर्ष की आयु में कर्नाटक के उत्तूर ग्राम में ज्येष्ठ शुक्ला त्रयोदशी सन् 1915को क्षुल्लक के व्रत अंगीकार किए। आपका नाम शांतिसागर रखा गया। क्षुल्लक अवस्था में आपको कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा था, क्योंकि तब मुनिचर्या शिथिलताओं से परिपूर्ण थी। साधु आहार के लिए उपाध्याय द्वारा पूर्व निश्चित गृह में जाते थे। मार्ग में एक चादर लपेटकर जाते थे आहार के समय उस वस्त्र को अलग कर देते थे आहार के समय घण्टा बजता रहता था जिससे कोई विघ्न न आए। क्षुल्लक जी ने इस प्रक्रिया को नहीं अपनाया और आगम की आज्ञानुसार चर्या पर निकलना प्रारम्भ किया। गृहस्थों को पड़गाहन की विधि ज्ञात न होने से वे वापस मंदिर में आकर विराज जाते इस प्रकार निराहार 4 दिन व्यतीत होने पर ग्राम में तहलका मच गया तथा ग्राम के प्रमुख पाटील ने कठोर शब्दों में उपाध्याय को कहा-शास्त्रोक्त विधि क्यों नहीं बताते? क्या साधु को निराहार भूखा मार दोगे! तब उपाध्याय ने आगमोक्त विधि बतलाई एवं पड़गाहन हुआ।

## ऐलक दीक्षा

नेमिनाथ भगवान के निर्माण स्थान गिरनार जी की वंदना के पश्चात इसकी स्थायी स्मृति रूप अपने ऐलक दीक्षा ग्रहण की ऐलक रूप में आपने नसलापुर में चतुर्मास किया वहाँ से चलकर ऐनापुर ग्राम में रहे।

## मुनि दीक्षा

उस समय यरनाल में पञ्चकल्याणक महोत्सव (सन् 1920) होने वाला था वहाँ जिनेन्द्र भगवान के दीक्षा कल्याणक दिवस पर आपने अपने गुरुदेव देवेन्द्रकीर्ति जी से फागुन शुक्ला चतुर्दशी 24 मार्च सन 1920 को मुनिदीक्षा ग्रहण की। सन 2020 में यरनाल मुनि दीक्षा स्थली पर पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी के सानिध्य में मुनि दीक्षा का शताब्दी वर्ष मनाया गया।

## आचार्य पद

समडोली में श्री नेमिसागर जी की ऐलक दीक्षा व श्री वीरसागर जी की मुनि दीक्षा के अवसर पर समस्त संघ ने महाराज को आचार्य पद (सन् 1924) से अलंकृत कर अपने आप को कृतार्थ किया।

## चारित्र चक्रवति

गजपंथा में चतुर्मास के बाद सन् (1934) पञ्चकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव हुआ। इस अवसर पर उपस्थित धार्मिक संघ ने महाराज को चारित्र चक्रवर्ती पद से अलंकृत किया। **सल्लेखना:** जीवन पर्यन्त मुनिचर्या का निर्दोष पालन करते हुए 84 वर्ष की आयु में दृष्टि मंद

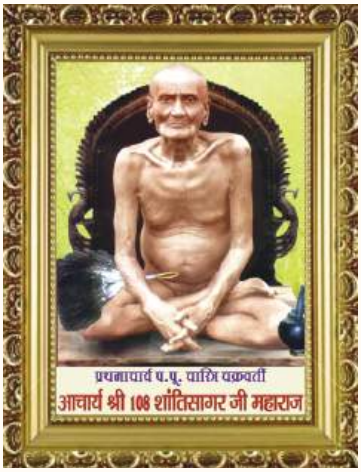


होने के कारण सल्लेखना की भावना से आचार्य श्री सिद्धक्षेत्र कुंथलगिरी जी पहुँचे। वहाँ पर उन्होंने 13 जून को विशाल धर्मसभा के मध्य आपने सल्लेखना धारण करने के विचारों को अभिव्यक्त किया। 15 अगस्त को महाराज ने आठ दिन की नियम-सल्लेखना का व्रत लिया जिसमें केवल पानी लेने की छूट रखी। 17 अगस्त को उन्होंने यम सल्लेखना या समाधिमरण की घोषणा की तथा 24 अगस्त को अपना आचार्य पद अपने प्रमुख शिष्य श्री १०८ वीरसागर जी महाराज को प्रदान कर घोषणा पत्र लिखवाकर जयपुर (जहाँ मुनिराज विराजमान थे) पहुँचाया। आचार्य श्री ने ३६ दिन की सल्लेखना में केवल १२ दिन जल ग्रहण किया। १८ सितम्बर १९५५ को प्रातः ६.५० पर ॐ सिद्धोऽहं का ध्यान करते हुए युगप्रवर्तक आचार्य श्री शान्तिसागर जी ने नश्वर देह का त्याग कर दिया। संयम-पथ पर कदम रखते ही आपके जीवन में अनके उपसर्ग आये जिन्हें समता पूर्वक सहन करते हुए आपने शान्तिसागर नाम को सार्थक किया। साधु जीवन में सर्प ,शेर आदि के अनेक उपसर्ग हुए। आचार्यश्री का कहना था कि भय किस बात का? यदि वह पूर्व का बैरी न हो और हमारी ओर से कोई बाधा या आक्रमण न हो तो वह क्यों आक्रमण करेगा? बिना किसी भय के आत्मलीन रहते थे।चींटियों का, मकोड़े का, पागल व्यक्ति द्वारा प्रहार सहित अनेक उपसर्ग आपने शांति के सागर बन कर साम्य भाव से सहन किए। आचार्य श्री ने गृहस्थ अवस्था 18 वर्ष में आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत लिया कम उम्र 25 वर्ष में जूते तथा बिस्तर का त्याग कर दिया। 32 वर्ष की आयु में घी-तेल का आजीवन त्याग कर दिया था, उनके नमक, शक्कर, छाछ आदि का भी त्याग था। उन्होंने 35 वर्ष के मुनि जीवन में 27 वर्ष 3 माह 23 दिन उपवास किए। कुल 9938 उपवास किए

## अन्नाहार का त्याग

बम्बई सरकार ने हरिजनों के उद्धार के लिए एक हरिजन मंदिर प्रवेश कानून सन् 1947 में बनाया। जिसके बल पर हरिजनों को जबरदस्ती जैन मंदिरों में प्रवेश कराया जाने लगा। जब आचार्य श्री को यह समाचार ज्ञात हुआ तो उन्होंने इसे जैन संस्कृति, जैन धर्म पर आया उपसर्ग जानकर, जब तक यह उपसर्ग दूर नहीं होगा तब तक के लिए अन्नाहार का त्याग कर दिया। आचार्य श्री की श्रद्धा एवं त्याग के परिणाम स्वरूप लगभग तीन वर्ष पश्चात इस कानून को हटा दिया गया। तभी आचार्य श्री ने 1105 दिन के बाद 16 अगस्त 1951 रक्षाबन्धन के दिन अन्नाहार को ग्रहण किया। दिल्ली में दिगम्बर मुनियों के उन्मुक्त विहार की सरकारी आज्ञा नहीं थी। अतः 10-20 आदमी हमेशा महाराज के विहार के वक्त साथ ही रहते थे। आचार्य महाराज को चतुर्मास के दो माह व्यतीत होने पर जब यह बात ज्ञात हुई तो महाराज ने स्वयं एक फोटोग्राफर को बुलवाया और ज्ञात समय के पूर्व अकेले ही शहर में निकल गये तथा जामामस्जिद, लालकिया, इंडिया गेट, संसद भवन आदि प्रमुख स्थानों पर खड़े होकर उन्होंने अपना फोटो खिचवाया। समाज में अपवाद होने लगा कि महाराज को फोटो खिचवाने का शौक है। इस विषय में महाराज से पूछे जाने पर उन्होंने ने कहा-हमारे शरीर की स्थिति तो जीर्ण अधजले काठ के समान है इसके चित्र की हमें क्या आवश्यकता और वह चित्र हम कहाँ रखेंगे। श्रावकों का कर्तव्य है कि इन चित्रों को सम्हाल कर रखें जिससे भविष्य में मुनि विहार की स्वतंत्रता का प्रमाण सिद्ध हो सके। हमारे इस उद्योग से सभी दिगम्बर जैन मुनियों में साहस आवेगा, दिगम्बर जैनधर्म की प्रभावना होगी। हमारे ऊपर उपसर्ग भी आए तो हमें कोई चिन्ता नहीं। अच्छे कार्य करते हुए भी यदि अपवाद आये तो उसे सहना मुनि धर्म है न कि उसका प्रतिवाद करना। आगम ग्रन्थों की सुरक्षा को दृष्टि में रखते हुए आचार्य श्री के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से सिद्धान्त ग्रन्थों को ताम्रपत्र पर उत्कीर्ण कराया गया। अनेकों भव्य आत्माओं ने आचार्य श्री से व्रत-संयम ग्रहण कर अपने जीवन का उद्धार किया।

**दीक्षित शिष्य**

| | | |
|---|---|---|
| 1 | मुनि | 26 |
| 2 | आर्यिका | 4 |
| 3 | ऐलक | 16 |
| 4 | क्षुल्लक | 28 |
| 5 | क्षुल्लिका | 14 |
| योग | | 88 |

## गुरुणा गुरु

श्री सात गोड़ा जी ने सन 1915 में मुनि श्री देवेंद्र कीर्ति जी से क्षुल्लक दीक्षा तथा वर्ष 1920 में मुनि दीक्षा ली थी आप सन 1924 में आपका चतुविद संघ होने से आपको आचार्य बनाया गया आपकी आगम अनुरूप चर्या देख कर दीक्षा गुरु श्री देवेंद्र कीर्ति जी ने आपसे पुनः मुनि दीक्षा ली इस कारण आपको गुरुणा गुरु कहा जाता है। वर्ष 1925 में आप श्री श्रवण बेलगोला महामस्तकाभिषेक में भी शामिल हुए थे।

राजेश पंचोलिया इंदौर
9926065065
वात्सल्य वारिधि भक्त परिवार

# जयपुर की भव्य खेलसिटी मल्टी स्पोर्ट्स एरेना का उदघाट्न

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

जगतपुरा स्थित एसकेआईटी कॉलेज के सामने जयपुर की भव्य खेलसिटी मल्टी स्पोर्ट्स एरेना का उदघाट्न जयपुर सांसद श्रीमति मंजू शर्मा द्वारा किया गया। खेल सिटी में विभिन्न तरह के स्पोर्ट्स जैसे पिकलबाल, फुटबॉल, स्वीमिंग, होर्स राइडिंग, बेडमिंटन, बाक्स किक्रेट, स्कैटिंग, ताईक्वानडो साथ ही हाफटाईम कैफे की अत्याधुनिक तथा विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध रहेगी। खेल सिटी के को-फाउंडर मनीष गुप्ता, सूरज छाबडा व अभिजित गुलाटी के द्वारा मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम के अवसर पर श्रीमति मंजू शर्मा सांसद जयपुर शहर ने कहा कि इस खेल सिटी के माध्यम से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने में महत्वपूर्ण योगदान रहेगा व जयपुर ही नहीं वरन राजस्थान के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को अपना बेहतर खेल कौशल दिखाने का मोका मिलेगा। इस अवसर पर महेन्द्र कुमार शर्मा पार्षद वार्ड नंबर 102 व अरुण शर्मा चेयरमैन नगर निगम ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से सबको प्रेरित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया व खेलों इंडिया की तर्ज.पर बनाये गये इस खेलसिटी का भव्य शुभारम्भ दिनांक 15 जून 2025 को किया गया। जयपुर में इस तरह का कॉन्सेप्ट देख कर खेल प्रेमियों में अति उत्साह का संचार हुआ है।

# श्री सर्वसिद्धि पार्श्वनाथ विहार धाम का शुभारंभ आज 18 जून को

## मीडिया प्रभारी दिनेश सालेचा मदुराई ने दी जानकारी

**इरोड. शाबाश इंडिया।** तमिलनाडु यहां के श्री जैन श्वेताम्बर संघ के तत्वावधान में शहर के समीम अव्वलपुन्दाराई तीर्थ के पास लाभार्थी द्वारा विहार धाम का निर्माण किया गया है । मीडिया प्रभारी दिनेश सालेचा मदुराई ने बताया कि आज लाभार्थी संघवी श्रीमती पानीदेवी मोहनलालजी मुथा सोनवाड़िया परिवार चेन्नई मरुधर में मांडवला परिवार फर्म - मोहन मुथा एक्सपोर्टस प्रा.लि. ..द्वारा उद्घाटन किया जाएगा । संघ के श्री संतोषजी मेहता ने बताया कि सुबह में पन्यास प्रवर श्री सुर्यादय विजयजी म.सा. की पावन निश्रा में सकल श्री के साथ वरघोड़ा निकाल कर लाभार्थी परिवार के रमेशकुमारजी मुथा के द्वारा विहार धाम का उद्घाटन किया जाएगा। इसके साथ ही गुरुभगवंत का मांगलिक, अतिथियों का अभिनंदन समारोह, श्री संघ का स्वामीवात्सल, सहित विभिन्न आयोजन होंगे। यहां तीर्थ पर आए दिन साधु - साध्वीजी भगवंत का आवागम होने से विहार धाम की जरूरत थी वो आज पूरी होने जा रही है ।

# आत्म-विश्वास और आत्म-जागरूकता के माध्यम से व्यक्ति अपने लक्ष्य तक पहुँच सकता है : सलोनी जैन

**जयपुर।** Jain International Trade Organization (JITO) के सहयोग से आयोजित एक प्रेरणादायक सत्र में प्रतिभागियों को Goal Setting, आत्म-विश्वास को निखारने (Master Your Confidence) और Self Awareness बढ़ाने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया गया। इस सत्र का नेतृत्व मशहूर मोटिवेशनल स्पीकर और लाइफ कोच **सलोनी जैन** ने किया। उन्होंने सरल शब्दों में समझाया कि कैसे स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करके हम जीवन में संतुलन, सफलता और आत्म-संतुष्टि प्राप्त कर सकते हैं। आत्म-विश्वास और आत्म-जागरूकता के माध्यम से व्यक्ति न केवल अपने लक्ष्य तक पहुँच सकता है, बल्कि एक सशक्त और सकारात्मक व्यक्तित्व का निर्माण भी कर सकता है। यह सत्र जीवन को नई दिशा देने वाला साबित हुआ।

# अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से ...

**नई दिल्ली. शाबाश इंडिया।** दिल्ली में अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय 108 श्री पीयूष सागर जी महाराज श्री 1008 संकट हरण पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर,राणा प्रताप बाग अशोक विहार ,दिल्ली में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि सफल व्यक्ति अपने चेहरे पर दो चीज ही रखते हैं..एक मुस्कुराहट दूसरी खामोशी..! एक कागज के टुकड़े का मूल्य तब बढ़ जाता है, जब गवर्नर की उस पर मोहर लग जाती है - तो कागज नोट बन जाता है। फिर उसे तोड़ो-मरोड़ो, गन्दा करो, या जर्जर हो जाये, फिर उसकी कीमत कम नहीं होती। हमारे जीवन पर भी यदि प्रभु और गुरू के आचरण की मुहर लग जाये, तो फिर हमारे जीवन की कीमत कम नहीं हो सकती। प्रभु और गुरू अनमोल थे, अनमोल है, और अनमोल ही रहेंगे। ये अलग बात है कि हम उन्हें समझने में बहुत देर कर देते हैं। प्रभु और गुरू की कृपा दिखती नहीं है, लेकिन असम्भव को सम्भव कर देती है और आधे-अधूरे अधमरे जीवन को ऊर्जा से भर देती है। तभी तो कहा है - गुरू और समुद्र दोनों बहुत गहरे हैं। दोनों की गहराई में जमीन आसमान सा अन्तर है। समुद्र की गहराई में इन्सान डूब जाता है और गुरू की गहराई में इन्सान तर जाता है। इसलिए दो बातें मेरी हमेशा याद रखना एक - प्रभु और गुरू का दर.. दूसरा - प्रभु और गुरू का डर, हमेशा मन में बनाकर रखना। एक बात का सदा ध्यान रखना - तुम्हारे आने ना आने से, नमस्कार-तिरस्कार से, निन्दा-प्रशन्सा से, प्रभु और गुरू की इज्जत कभी कम नहीं होती। क्योंकि सोने के हजार टुकड़े भी कर दो, तब भी उसका मोल कम नहीं होता...!!

**-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

# विश्व रक्तदाता दिवस पर भारतीय दूतावास ने थाईलैंड के भारतीय रक्तदाताओं का सम्मान किया

**बैंकॉक,थाईलैंड. शाबाश इंडिया**

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर, थाईलैंड में भारत (बैंकॉक में भारतीय दूतावास) ने थाईलैंड के भारतीय समुदाय के सदस्यों को सम्मानित किया, जो जीवन बचाने के लिए अपनी निस्वार्थ सेवा के लिए नियमित रूप से रक्तदान अभियान आयोजित करते हैं और उसमें भाग लेते हैं। दूतावास के अधिकारियों और प्रवासी भारतीयों के सदस्यों ने भी रक्तदान अभियान का समर्थन करने की शपथ ली, जिससे कीमती जीवन बचेंगे। थाईलैंड में भारतीय दूतावास विदेश मंत्रालय, भारत सरकार प्रेस सूचना ब्यूरो - पीआईबी, भारत सरकार प्रवासी भारत कनेक्ट।

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

**सम्पादकः राकेश जैन गोदिका**
**@ 94140 78380, 92140 78380**

**दैनिक ई-पेपर**
**शाबाश इंडिया**
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

# चतुर्थ वीरेन्द्र कुमार सक्सेना स्मृति सम्मान एवं कवि सम्मेलन

**बदायूं. शाबाश इंडिया**

मौर्य भवन जवाहरपुरी बदायूं में स्व.वीरेन्द्र कुमार सक्सेना जी की स्मृति में कविसम्मेलन और सम्मान समारोह का आयोजन बरेली के मशहूर उस्ताद शायर विनय सागर जायसवाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। काव्यदीप हिन्दी साहित्यिक संस्थान द्वारा यह लगातार चौथा आयोजन है। इस अवसर पर मुख्यातिथि रहे बरेली के मशहूर कवि हिमांशु श्रोत्रिय तथा जानी मानी कवयित्री सत्यवती सिंह सत्या विशिष्ट अतिथि थीं। कार्यक्रम का संचालन कवि सुनील शर्मा समर्थ एवं शैलेन्द्र देव मिश्र बदायूं ने किया। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा सरस्वती मां के आगे दीप प्रज्ज्वल कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात कवयित्री सत्यवती सिंह सत्या द्वारा सरस्वती मां की सरस वंदना प्रस्तुत की गई। इसी शृंखला में अध्यक्ष द्वारा हृदयस्पर्शी गीत गजल सुनाए गए,ज़िन्दगी चैन से गुजर जाये,बोझ दिल का अगर उतर जाये। तू है दरिया तो यह खयाल भी रख, कोई प्यासा यहाँ न मर जाये। हिमांशु श्रोत्रिय जी ने फरमाया, जो कंगूरों के कुलों के आत्मज हों,नींव का इतिहास क्या खाकर गढेंगे। जो स्वयं ही स्वर्णमृग बन कर विचरते, त्याग के दुष्कर ककहरे क्या पढ़ेंगे। पीलीभीत से हास्यकवि उमेश त्रिगुणायत ने पढ़ा, इन आँखों में पसरी नमी देख लेते, औ पैरों से खिसकी जमी देख लेते। हमें टोंकने की भी क्या घसघसी थी, तभी टोंकते जब कमी देख लेते। बिल्सी से पधारे ओजस्वी जौहरी सरल ने सुनाया,मैं बेचता हूँ आईने अंधों के शहर में, कंघे बना रहा हूँ गंजों के शहर में। बरेली से कवयित्री मिथिलेश राकेश ने फरमाया,जिनको भी माँ-बाप की, सेवा आई रास। बरस रही उन पर कृपा, वे ईश्वर के खास। राम स्वरूप गंगवार मौज बरेली ने फरमाया...

**खाक में ऐसे उड़ाया जाएगा**
**जामे-मय भरकर पिलाया जायेगा**
**उड़ रहे हैं जो जमीं को छोड़कर**
**आसमानों से गिराया जाएगा**

बदायूं से राजवीर सिंह ने पढ़ा,ऑखों में लाज बातों में रसधार दीजिए, सब अपनी बेटियों को ये संस्कार दीजिए। कवि अमन मयंक शर्मा ने सुनाया,चटक धूप सी जिंदगी,नही दूर तक छांव। बिना पिता जी आपके,जलते मेरे पाँव। अभिषेक अग्निहोत्री ने कहा,दांव लगा दी है मैंने तनहाई तक,कोई तो पहुंचे दिल की गहराई तक। एक कफस है दुनिया जिसमें कैद सभी, जीना ही पड़ता है यहां रिहाई तक। राज शुक्ल गजलराज ने पढ़ा,बच्चों के बिना एक पल भी रह नहीं सकता, बच्चों पे कोई कष्ट भी वो सह नहीं सकता इसके अलावा कवि पत्रकार शमशुद्दीन शम्स, दीपक मुखर्जी, अचिन मासूम, दीप्ति सक्सेना, मंजु सक्सेना, आलोक शाक्य, आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर शायर विनय सागर जायसवाल ने अपना गजल संग्रह पयामे जीस्त संस्था अध्यक्ष दीप्ति सक्सेना को सप्रेम भेंट किया।

# णमोकार महामंत्र के जय घोष से आक्रोश महारैली संपन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। जैन तीर्थो क्षेत्रों की रक्षा, साधु सन्तों के विहार के दौरान आकस्मिक दुर्घटनाओं के कारण जैन मुनि, साधु-संत, सतियांजी, कालधर्म को प्राप्त होने के कारण विहार सुरक्षा हेतु आयोजित आक्रोश महारैली विष्वशान्ति महामंत्र णमोकार के जयघोष के साथ सम्पन्न। प्रवक्ता कमल गंगवाल व संजय जैन ने बताया कि आज प्रातः 9.30 बजे स्थानीय सिटी पावर हाउस, जयपुर रोड से सकल जैन समाज, अजमेर द्वारा विशाल महारैली के रूप में णमोकार महामंत्र का जाप करते हुए कतारबंद पंक्ति से हाथो में तख्तियां व जैन ध्वजा लेकर केसरियां परिधान में व सफेद परिधान में पुरूष वर्ग भारी संख्या में जिलाधीश कार्यालय पहुंचे तत्पष्चात कलेक्ट्रेट परिसर के मुख्य द्वार पर विश्व शान्ति महामंत्र का सामूहिक रूप से जाप कर समाज के गणमान्य प्रतिनिधि कलेक्ट्रेट कक्ष में पहुंचे और प्रधानमंत्री, भारत सरकार एंव राज्य के मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर लोकबन्धु को ज्ञापन सौंपा ।जिस पर कलेक्टर महोदय ने ज्ञापन को तत्काल प्रभाव से आगे भेजने की व स्थानीय स्तर पर भी इसकी ठोस कार्यवाही व सुरक्षा का आश्वासन दिया।

**ज्ञापन में निम्न मांग की गई**

1. साधु सन्तों का जब भी विहार हो उस समय पुलिस सुरक्षा व्यवस्था मार्ग में की जावें जिससे यातायात व्यवस्था दुरूस्त हो सकें तथा दुर्घटनायें ना हो ।
2. जैन तीर्थ स्थलों पर हो रही लगातार वारदातों, चोरियों को रोकने के लिये संबंधित राज्य सरकार द्वारा पुख्ता बंदोबस्त करने के निर्देश दिये जावें और असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्यवाही की जावें ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृति ना हों ।
3. साधु सन्तों को टक्कर मार कर भागने वाले ड्राईवरों के लिये प्रदेश भर में धारा 106 (बीएनएस) में मुकदमा दर्ज किया जावें ।
4. अनिवार्य फुटपाथ और सडक सुरक्षा ढांचा सभी प्रमुख सडकों, राजमार्गो पर विषेशकर साधु-सन्तों, श्रद्वालुओं व सामान्य पद यात्रियों द्वारा प्रयुक्त मार्गो पर कम से कम 3 फीट चौडा व एक फीट उंचा फुटपाथ मय रेलिंग के बनाई जावें ।
5. सड़क डिवाईडर और यातायात नियमों का कडाई से पालन, सडक पर डिवाईडर स्थापित कर यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जावें ताकि पदयात्रियों की सुरक्षा हो और दुर्घटनाओं का खतरा भी कम हो ।
6. राष्ट्रीय पदयात्री सुरक्षा मिशन का शुभारंभ पदयात्रियों, विशिष्ट रूप से साधु-सन्त एवं तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा हेतु एक विशेष कार्यक्रम प्रारंभ किया जावे ।यह केवल पूज्य गुरूदेवों के लिये ही नहीं बल्कि भारत की सडकों पर चलने वाले हर जीवन की सुरक्षा एवं गरिमा के लिए है।

ज्ञापन देने वाले व महारैली में भाग लेने वालो में नीरज जैन, विजय जैन, कमल गंगवाल, संजय जैन, पवन बढारी बिरला , धर्मेश जैन, प्रवीण जैन, अशोक छाजेड़, विकेश जैन, अतुल ढिलवारी, अनुराग जैन, प्रकाश पाटनी, विनोद ढाबरिया, नाथूलाल जैन, प्रदीप पाटनी, सुशील बाकलीवाल, राजेश गदिया बसंत सेठी, मुकेश करनावट, सुनील ढिलवारी, गौतम जैन, नीरज कोठारी, पीयूष सुराना, रूबी जैन, हरकचंद बोथरा, नितिन जैन, हेमेन्द्र जैन, लोकेश जैन, सुरेशचंद खींवसरा, विपिन जैन, विजय पांडया, देवर्ष गंगवाल , ताराचंद सेठी, डा. राजकुमार गोधा, निर्मल गदिया,, विनय लोढा, कमल बाफना, विक्रम पारख, चन्दप्रकाष जैन, विनीता जैन, शान्ता काला, नीलू कांकरिया, वनिता मोदी, प्रतिभा कोठारी, स्बी जैन, मोना जैन, सीमा जैन, खुशबू जैन, अमित वेद,रिपेंद्र कासलीवाल, दीपक जैन, मनीष जैन, एहवंत मोदी, मोहित गांधी, रिखबचंद सचेती, विवेक जैन, अमित जैन, विकास लोढा, विनय लोढा दिनेश मेहता, ललित जैन किशोर कासलीवाल, ज्ञानसिंह लोढा, राकेश बरमेचा, मुकेश सेठी, सम्पत कोठारी, गौरव तांतेड, राजकमल चोपडा, सुनील खटोड, अजय बाफना आदि ।

# बच्चों में धार्मिक शिक्षा की ललक जगाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी

## जैन शिक्षण शिविर एवं जैन प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम संपन्न

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

**भिंड।** जैन मिलन महावीर और जैन मिलन महिला चंदना के संयुक्त तत्वावधान में लगाई गई 15 दिवसीय श्री विराग विशुद्ध बालसंस्कार शिक्षण शिविर एवं जैन प्रतिभा सम्मान समारोह 2025का समापनशहर के महावीर गंज में संपन्न हुआ शाम 7 बजे से 10:30 तक चले इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम वीरांगना अंजू जैन द्वारा मंच का उद्घाटन किया गया तत्पश्चात नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राजेश जैन बंटी ने कहा आज के भौतिकवादी युग में बच्चों को नैतिक एवं धार्मिक शिक्षा की नितांत आवश्यकता है जो संस्कार हमारे पूर्वजों ने हमें विरासत में दिए हैं हमारा दायित्व है कि उन संस्कारों को इन बच्चों में अग्रसित करें इस प्रकार के कार्यक्रमों को खुले मंच से आयोजित करना अपने आप में एक अनूठी पहल है इसके लिए मैं जैन मिलन महावीर और जैन मिलन चंदना की पूरी टीम को बधाई देता हूं। कार्यक्रम में संस्कार शिविर में भाग लेने वाले बच्चों एवं महिलाओं को शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अगले चरण में हाई

मनोज जैन (जमसारा) द्वारा चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन वीरांगना उर्मिला सुनील जैन ने किया। मंच पर आसीन अतिथियों में भारतीय जैन मिलन के प्रचार अध्यक्ष अतिवीर राजेश जैन बंटी मुख्य अतिथिएवं अति विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय अध्यक्ष अतिवीर महेंद्र जैन विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय उपाध्यक्षअतिवीर सुनील जैन क्षेत्रीय मंत्री वीर कमलेश जैन क्षेत्रीय संयोजिका वीरांगना राखी जैन मंचासीन रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय जल संरक्षण समिति चेयरमैन एवं जैन मिलन महिला चंदना संस्थापक कार्यक्रम संयोजिका वीरांगना नीतू जैन पहाड़िया द्वारा की गई। मोनी जैन द्वारा महावीर प्रार्थना से कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ तत्पश्चात कुमारी राशि जैन कुमारी रश्मि जैन द्वारा मंगलाचरण स्कूल और इंटरमीडिएट में 85% अंक अर्जित करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। अंशिका जैन को भारत सरकार और विज्ञान प्रौद्योगियों द्वारा इंस्पायर मानक अवार्ड से सम्मानित किए जाने पर शाखा द्वारा अंशिका जैन का विशेष सम्मान किया गया। अंतिम चरण में कार्यक्रम में पधारे हुए अतिथिगणों शहर के गणमान्य नागरिकों एवं पत्रकार बंधुओ का सम्मान शाखा द्वारा लगाकर किया गया। इस अवसर पर भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारी शाखा पदाधिकारी एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जैन मिलन महावीर के अध्यक्ष धर्मेंद्र पहाड़िया द्वारा किया गया एवं आभार जैन मिलन चंदना की अध्यक्ष सुनीता जैन व्यक्त किया।

# भगवान पार्श्वनाथ चिकित्सालय का शुभारंभ

**जयपुर**

भगवान पार्श्वनाथ चिकित्सालय श्री दिगम्बर जैन मंदिर समिति ट्रस्ट द्वारा हीरा पथ मानसरोवर में निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श केन्द्र का शुभारंभ 15 जून 2025 रविवार को किया गया ।कार्यक्रम प्रभारी सुरेन्द्र जैन पाटोदी द्वारा बताया गया कि उद्घाटनकर्ता वीरेन्द्र, अलका, अनुषा (RAS), एकांश जैन लदाना परिवार ने द्वीप प्रज्जवलन किया। पदम कुमार , अंजना, अनुपम जैन ने एवं मुख्य आतिथी डॉ.देवेन्द्र कुमार नीरू जैन थे। कार्यक्रम संयोजक अंकित गंगवाल ने बताया कि निःशुल्क परामर्श केन्द्र पर डॉ.पीयूष जैन MBBS MS, General surgan, जनरल सर्जरी एवं दूरबीन चिकित्सा विशेषज्ञ, डॉ.जतिन जैन MBBS MD General Medicine, बीपी, शुगर थायराइड रोग विशेषज्ञ,डॉ.शिवम शर्मा MBBS MS ENT, डॉ.तरूण पाराशर MBBS MD श्वास रोग विशेषज्ञ, डॉ.सन्नी लोहिया MBBS, DCH, DNB, FNNF नवजात एवं शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ.रसालिका अग्रवाल BDS,MDS , FICOI दन्त रोग विशेषज्ञ, डॉ.वंशिका जैन फीजियोथेरेपिस्ट एवं डॉ.दीक्षा जैन नेचुरोपेथी ।इनके अतिरिक्त अनेकों डाक्टर्स द्वारा अपनी निःशुल्क सेवाऐं देने हेतु सहमति दी है ।इसके अलावा फीजियोथेरेपी के लिए भी डॉक्टर अपनी सेवाऐं देंगे ।उद्घाटन समारोह में हीरापथ जैन समाज एवं मानसरोवर जैन समाज के अनेकों पदाधिकारी एवं समाज बंधुओं ने निःशुल्क परामर्श चिकित्सा केन्द्र के संचालन हेतु भरपूर आर्थिक सहयोग दिया तथा भविष्य में सहयोग करने बाबत आश्वासन दिया । साथ ही सभी मंदिर ट्रस्ट कमेटी के सभी सदस्यों द्वारा तन मन धन देकर निःशुल्क परामर्श केन्द्र को भव्यता हेतु अपने भाव व्यक्त किये।अध्यक्ष सुभाष जैन द्वारा सभी आगन्तुक समाज बंधुओं को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।कार्यक्रम का संचालन राकेश जैन द्वारा किया गया।

# आरोग्य भारती द्वारा योगाभ्यास कार्यक्रम संपन्न

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस - 2025 के उपलक्ष्य में आरोग्य भारती एवं विभाग द्वारा जयपुर महानगर में विभिन्न स्थानों पर काउंटडाउन योगाभ्यास कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।इसी श्रृंखला में पवन वाटिका पार्क हनुमान नगर विस्तार खातीपुरा में प्रातः 6:30 से 7:30 तक योगा अभ्यास कार्यक्रम बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ, खातीपुरा व्यापार मंडल अध्यक्ष भवानी सिंह राठौड़ के अनुसार इस कार्यक्रम में आरोग्य भारती के प्रांत सचिव डॉ राम तिवाड़ी, महानगर सह संयोजक गौरव अग्रवाल, सुपोषण आयाम प्रमुख डॉ शारदा टाक एवं प्राथमिक उपचार प्रमुख डॉ . के.के.शर्मा सहित काफी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने भाग लिया, योग अभ्यास का शुभारंभ विशिष्ट अतिथियों द्वारा भगवान धन्वंतरि को दीप प्रज्वलन कर किया गया। योगाचार्या डॉ.कल्पना ने पूर्ण मनोयोग से सर्वे संतु निरामया के लक्ष्य के साथ योग करवाया एवं अंत में सेवानिवृत्त पुलिस उपमहानिरीक्षक आदरणीय सुरेंद्र कुमार द्वारा स्वस्थ राष्ट्र के लिए नियमित योग करने का संकल्प करवाया गया। कार्यक्रम की सफलता में खातीपुरा व्यापार मंडल के अध्यक्ष भवानी सिंह राठौड़, राज सिंह ताकर, नरेंद्र कुमार शर्मा, पवन कुमार शर्मा , महेंद्र सिंह एवं महिला मंडल हेल्थ इज वेल्थ ग्रुप से सरोज कंवर, इंदु कंवर, शशि शर्मा सहित काफी संख्या में योग करने के लिए योग साधको ने सामूहिक योग किया, इस कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों एवं सभी स्थानीय निवासियों का विशेष सहयोग रहा ।

# जब तक मानव संसाधन जोड़कर सुख पाना चाहेगा, वो कभी सुखी नहीं हो सकताः मुनि शुद्धसागर महाराज

**डडूका. शाबाश इंडिया**

डडूका में प्रवासरत आचार्य श्री विशुद्ध सागरजी महाराज के शिष्य मुनि शुद्ध सागरजी महाराज ने आज प्रातः कालीन प्रवचनों में श्रावक श्राविकाओं को सुखी होने के उपाय बताते हुए कहा की जब तक आप सुखी होने के लिए आराम देने वाले संसाधनों को जुटाने में लगे रहोगे तब तक कभी सुखी नहीं हो सकते हो। संसार का हर प्राणी सुखी होने की आकांक्षा रखता है पर वह समस्त साधन जोड़कर सुख पाने का प्रयास करता है और इसी कारण सुखी होने के बजाय दुःखी होता रहता है। जब आपका सुखी होने का उपाय ही झूठा है फिर आप सुखी कैसे हो सकते हैं। जब दर्द पेट में हो रहा है ओर दवा बुखार की लोगे तो आपको राहत कहा से मिलेगी। संसार में सम्यक दृष्टि को छोड़ सभी मिथ्या दृष्टि लोग उस सुख को पाने के बेकार प्रयास करते है जिनसे सुख नहीं मिलना। मुनि श्री ने कहा की इच्छाओं पर नियंत्रण कर, सब कुछ ईश्वर के भरोसे ही छोड़ कर ही सुखी बना जा सकता है। प्रवचन के पूर्व आज पारसनाथ जिनालय डडूका में मुनि श्री शुद्ध सागरजी महाराज के सान्निध्य में श्री 1008श्री वासुपूज्यनाथ भगवान के गर्भ कल्याणक पर्व पर विशेष शांति धारा का आयोजन किया गया। सभा में जैन समाज डडूका, जैन युवा समिति डडूका, दिगंबर जैन पाठशाला डडूका तथा प्रभावना महिला मंडल डडूका की बहनों ने हिस्सा लिया। मुनि श्री शुद्ध सागरजी महाराज के प्रतिदिन के प्रवचन शुद्ध जिनवाणी नाम से यू ट्यूब चैनल पर भी उपलब्ध है।

# श्रद्धाभावों से नगरवासियों ने किया आचार्यसंघ का स्वागत

**आगरा. शाबाश इंडिया।** सर्वांगभूषण आचार्यश्री चैत्यसागर जी महाराज ससंघ आगरा में विचरण करते हुए जैन धर्म की खूब धर्म प्रभावना कर रहे हैं।धर्म प्रभावना के इस महत्ती क्रम में आचार्यश्री ससंघ 17 जून की सुबह जयपुर हाउस जैन मंदिर से मंगल विहार करते हुए मोतीलाल नेहरू रोड स्थित श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मदिंर पीर कल्याणी अतिशय क्षेत्र नसिया जी पहुंचे गुरु के स्वागत को आगरा नगर के साधर्मी बड़ी संख्या में प्रांगण में उपस्थित थे। गुरुवर का पाद प्रक्षालन करते हुए श्रद्धा के साथ आचार्यश्री ससंघ का स्वागत किया। मंदिर जी में प्रवेश करते हुए आचार्यश्री ससंघ ने सर्वप्रथम विशाल मान स्तम्भ के समक्ष नमन कर मंदिर जी में प्रवेश किया, जिसके बाद प्रभु के समक्ष नतमस्तक होकर विश्वशांति की कामना की। मंदिर जी में आचार्य श्री के पदार्पण के बाद भक्तों में श्रद्धा और भक्ति की बयार थी। भक्तों ने श्रद्धा भावों के साथ आचार्यश्री के मुखारविंद से उच्चारित मंत्रों के साथ प्रभु का अभिषेक और शांतिधारा की। आचार्यश्री आगरा नगर के विभिन्न मंदिरों के दर्शन कर भक्तों को अपने मंगल सानिध्य से अभिभूत कर रहे हैं।पीर कल्याणी जी अतिशय क्षेत्र नसिया में मंगल आगमन के बाद क्षेत्रवासियों ने गुरुपूजन कर अपने जीवन को सार्थक बनाने की भावना भायी।

# सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी में हुआ श्री आदित्य सागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश

## आर्यिका ज्ञानश्री माताजी ससंघ से हुआ मंगल मिलन

**गुन्सी, निवाई. शाबाश इंडिया**

प. पू. सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ प्रणेत्री श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु मां विज्ञाश्री माताजी के ससंघ की द्वय आर्यिका ज्ञानश्री व ज्ञायकश्री माताजी का विशुद्ध रत्न आदित्य सागर जी महाराज ससंघ से वात्सल्य मिलन हुआ। आर्यिका माताजी ने महाराज ससंघ की भावभीनी आगवानी की। निवाई , चाकसू , जयपुर, भीलवाड़ा आदि स्थानों से दर्शनार्थीगणों ने इस दृश्य का आनन्द लिया। माताजी ने मंगल उद्बोधन देते हुए कहा कि - क्षेत्र पर पूज्य महाराज ससंघ का प्रवेश हुआ उससे सभी को अपार आनन्द की अनुभूति हुई है। माताजी के प्रवचन के पश्चात महाराज श्री ने मंगल उद्बोधन दिया कि - व्यवहार में मृदुता हो वाणी में मधुरता हो तो सब अपने है । कभी आपस में मन मुटाव नहीं होगा । अपना व्यवहार ऐसा बनाओ कि जहां हम जाये वहां सब हमारा इंतजार करें और जहां से हम जाये वहां सब हमें याद करें। महाराज श्री ने सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ का अवलोकन किया साथ ही अपना मंगल आशीर्वाद प्रदान किया कि शीघ्रातिशीघ्र ही जिनालय का कार्य निर्विघ्न संपन्न होकर ऐतिहासिक पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव बड़े हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाये।

# पद्मनाभ नगर भोपाल में संत भवन का हुआ उद्घाटन

## गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ के सान्निध्य में

**भोपाल. शाबाश इंडिया।** प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु मां विज्ञाश्री माताजी ससंघ भोपाल में धर्म की महती प्रभावना कर रही है। माताजी ससंघ का पद्मनाभ नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। माताजी ससंघ के सान्निध्य में यहां संत भवन का उद्घाटन किया गया। अभिषेक शांतिधारा के पश्चात पूज्य माताजी का मंगल उद्बोधन हुआ। माताजी ने सभी को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - पद्मनाभ पद्मनाभ नगर में आप निवास कर रहे हैं। पद्मनाभ कुलकर भोगभूमि में जन्मे थे। वह 10 प्रकार के कल्पवृक्षों से मनवांछित फल प्राप्त करते थे। भोगभूमि के जीवों को कष्ट नहीं होता कषाय अल्प होती है इसलिए उन्हें देव गति की प्राप्ति होती है। सत्पात्रों को दान देने से उत्तम भोगभूमि की प्राप्ति होती है । पद्म के फूल जैसे अलिप्त रहकर जैसे भरत चक्रवर्ती घर में रहकर भी अलिप्त था इसलिए जल्दी कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति हो गई थी। ऐसे ही आप सभी अपने मन को धर्म में लगाये ।

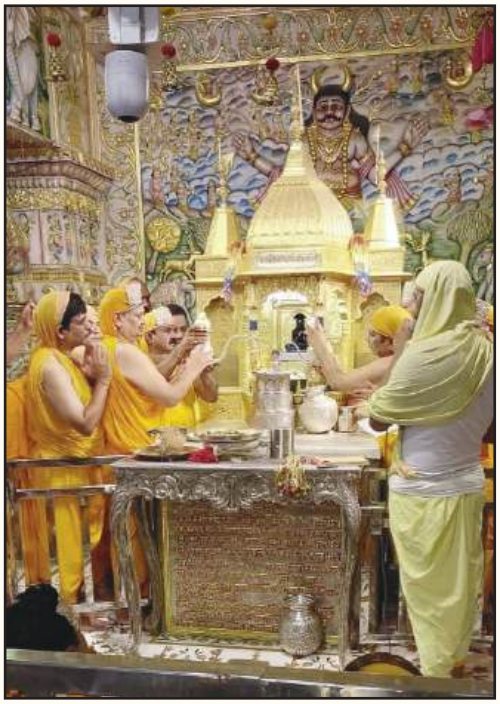

# दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति की नैनीताल मुक्तेश्वर यात्रा सम्पन्न

## अहिक्षेत्र पार्श्वनाथ में किया अभिषेक, शांति धारा

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति की पांच दिवसीय नैनीताल मुक्तेश्वर यात्रा सम्पन्न हुई । सन्मति ग्रुप अध्यक्ष मनीष - शोभना लोग्या, सचिव राजेश - रानी पाटनी ने बताया कि ग्रुप के 14 सदस्यों का दल 5 दिवसीय यात्रा कर 15 जून को वापस जयपुर पहुंचा। संस्थापक अध्यक्ष राकेश- समता गोदिका ने बताया कि मुख्य समन्वयक राकेश - रेणु संघी के सफल संयोजन में उत्तराखंड के नैनीताल जिले में स्थित मुक्तेश्वर जैन मंदिर अष्टपद जैन रिसोर्ट में 3 दिन का प्रवास रहा। यात्रा दल ने उत्तराखंड स्थित हिमालय की सुंदर पर्वतमाल के बीच समुद्र तल से 8000 फीट की ऊंचाई पर पहाड़ों की ठंडी ठंडी हवाओं में मुक्तेश्वर की हसीन वादियों के साथ ही नैनीताल , भीमताल आदि रमणीक स्थानों का भ्रमण किया । मुक्तेश्वर स्थित 3 शिखर के मंदिर जोकि समुद्र तल से 8000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है, जहां विराजमान भगवान आदिनाथ भगवान महावीर भगवान पारसनाथ के अभिषेक शांति धारा के साथ बर्फ से ढके हिमालय की चोटियां, ओम पर्वत के दर्शन किए । साल भर यहां ठंडा मौसम रहता है दिसंबर जनवरी फरवरी में यहां स्नोफॉल, तब मौसम बहुत सुंदर और सुहाना हो जाता है। यहां जून जुलाई अगस्त में आडू , आलू बुखारा , सेब नाशपाती

के बगीचे भरे हुए दिखाई देते हैं। 12 महीने यह मुक्तेश्वर धाम खुला रहता है, हर मौसम में जाया जा सकता है। यहां पर स्थित जैन रिसॉर्ट में स्वादिष्ट भोजन, सुंदर व्यवस्था का आनंद लिया, मंदिर जी में अभिषेक, शांति धारा का विशेष लाभ उठाया। ग्रुप संरक्षक दर्शन - विनीता बाकलीवाल व ग्रुप परामर्शक दिनेश - संगीता गंगवाल के अनुसार रानीखेत एक्सप्रेस से रामपुर रेलवे स्टेशन से बस से अहिक्षेत्र पार्श्वनाथ तीर्थ पहुंचे । ऐसा बताया जाता है कि अहिक्षेत्र पार्श्वनाथ में तीर्थंकर पार्श्वनाथ का साक्षात समोशरण आया था। अतिशय क्षेत्र पर ग्रुप अध्यक्ष मनीष लोग्यां ने अपना जन्मदिन प्रथम शांति धारा की बोली लेकर मनाया। सभी ने अभिषेक शांति धारा के साथ यात्रा की भव्य शुरूआत की। विमल - शिमला जैन के अनुसार ग्रुप की यह यात्रा सुंदर व्यवस्था के साथ संपन्न हुई ।